B.Ed 2nd year

16 May 2020
Saturday

समावेशी शिक्षा

निर्देशन एवं परामर्श

"निर्देशन एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसके द्वारा किसी समस्याग्रस्त व्यक्ति की समस्याओं के सम्बन्ध में विशेषज्ञ युक्त सलाह दी जाती है, जिसके आधार पर वांछित निर्णय लेने, निष्कर्ष निकालने में मदद मिलती है।

"निर्देशन उस व्यक्ति में ऐसी योग्यता विकसित करता है, जिससे वह अपनी समस्याओं का स्वयं समाधान कर सके।

कुछ व्यक्ति इसे सेवा मानते हैं, जिसके माध्यम से व्यक्ति को उसकी समस्या का समाधान करने में सहायता प्रदान की जाती है।"

"निर्देशन एक व्यवस्थित, निरन्तर चलने वाली ऐसी प्रक्रिया है, जो छात्रों की विशेष आवश्यकताओं और विद्यालय में प्रगति सम्बंधी समस्याओं के समाधान एवं उनकी व्यक्तिगत एवं सामाजिक सम्बंधी तथा शैक्षणिक-व्यावसायिक रुझानों के विकास में सहायक होती है।" —— आर. एन. मैथ्यूसन

⇒ निर्देशन एक प्रक्रिया है, पद्धति नहीं।
⇒ निर्देशन एक विकासशील प्रक्रिया।
⇒ निर्देशन व्यक्ति के पूर्ण विकास तथा वातावरण से पूर्ण समायोजन में सहायता प्रदान।
⇒ निर्देशन नियमोपदेश की क्रिया नहीं।

निर्देशन की विशेषताएँ

1⇒ शैक्षिक गतिविधियों का संचालन।
2⇒ निर्देशन संस्कृति के संरक्षण में अत्यन्त उपयोगी।
3⇒ नूतन प्रवृत्तियों तथा आयामों को आत्मसात करने में सहायक।
4⇒ स्वविवेक के द्वारा करणीय तथा अकरणीय का चुनाव करना।

निर्देशन की आवश्यकता

⇒ शैक्षिक दृष्टि से निर्देशन की आवश्यकता।
⇒ सामाजिक दृष्टिकोण से निर्देशन की आवश्यकता।
⇒ मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण निर्देशन की आवश्यकता।
⇒ राजनैतिक दृष्टिकोण से निर्देशन की आवश्यकता।

End

Scanned with CamScanner